**MINISTRY OF EDUCATION, HERITAGE AND ARTS**
**YEAR 10 HINDI - 2021**

**WORKSHEET 2 -अंक १०**

**बोधन अंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों का जवाब अपनी अभ्यास-पुस्तिका लिखिए ।**

धरती अनुपजाऊ हो रही है । जल प्रदूषित हो रहा है । वन सिमट रहे हैं । ईंधन की कमी होती जा रही है । वातावरण गम्भीर रूप से प्रदूषित है । मतलब पर्यावरण पर गहरा संकट है । पर्यावरण पर जो संकट उपस्थित है उसकी वजह है मानव द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंधाधुंध विकास ।

प्रदूषण के कारण जल के भीतर बसने वाले प्राणियों का जीवन भी खतरे में है । बहुत से देशों में जल-प्रदूषण का एक और रूप है वाहनों का वातावरण पर प्रकोप । मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ मानव-स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है । यह धुआँ अत्यंत जहरीली गैस है । कारखानों से जो धुआँ उठता है उससे वायु अशुद्ध हो जाता है । इसका स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है ।

शोर से होने वाले प्रदूषण भी चिन्ता का विषय है । सड़क पर वाहनों का शोर, विमान, कारखाने आदि से प्रदूषण फैलता है । इससे काम में बाधा पहुँचती है, आराम में खलल होता है, नींद पर दुष्प्रभाव पड़ता है और संवाद में व्यतिक्रम आता है । लोगों को अधिक ऊँचा बोलने की आदत भी इसमें योगदान देती है । शोर से जनित प्रदूषण से सुनने की शक्ति पर असर पड़ता है । जिन चौराहों पर सबसे अधिक और भारी वाहन गुजरते हैं वहाँ वातावरण में आवाजों के कारण सबसे अधिक प्रदूषण होता है ।

आज सारा संसार प्रदूषण से पीड़ित है । जून १९९२ में ब्रज़ील में प्रदूषण पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ । इस सम्मेलन के दौरान विश्व में प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए अनेक निर्णय लिए गए । आज भी इस क्षेत्र में बहुत कुछ करना शेष है ।

**अभ्यास**

**प्रश्नों का उत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका लिखिए ।** **अंक १०**

(१) किन्हीं दो बातों से साबित कीजिए कि पर्यावरण संकट में है ।

---

(२) पर्यावरण पर उपस्थित संकट का क्या कारण है ?

---

(३) जल-प्रदूषण से किस प्रकार की हानि होती है ?

---

(४) कारखानों का धुआँ किस प्रकार मनुष्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है ?

---

(५) शोर से उत्पन्न प्रदूषण का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

---